

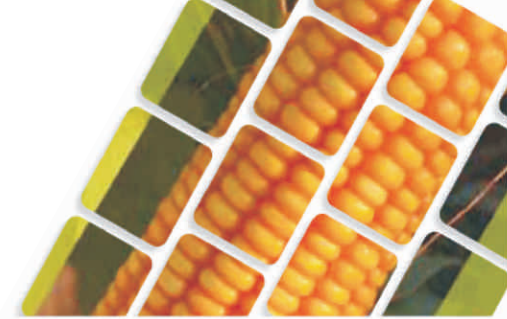


भा.म.अनु.सं समाचार-पत्र

IIMR

NEWSLETTER

भा.कृ.अनु.प.-भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान
ICAR-INDIAN INSTITUTE OF MAIZE RESEARCH



अंक 04 | खण्ड 2 Vol. 04 | Issue 2

जुलाई-दिसंबर, 2018 वेबसाइट (Website): <http://www.iimr.icar.gov.in>

समाचार सुर्खियां

अनुसंधान उपलब्धियां

- अनुसंधान गतिविधियां
- जननद्रव्य आयातन / वितरण

महत्वपूर्ण घटनाक्रम

- स्वतंत्रता दिवस समारोह
- डीयूएस परीक्षण कार्यशाला
- मक्का महोत्सव
- 13वां एशियाई मक्का सम्मेलन
- एचटीएमएम परियोजना का शुभारंभ
- महानुभावों के दौरे
- 'स्वच्छता ही सेवा'
- हिंदी प्रोत्साहन गतिविधियां
- सतर्कता जागरूकता सप्ताह
- महत्वपूर्ण बैठकें

संस्थान आउटरीच कार्यक्रम

- नए नाशीजीव (एफएडब्ल्यू) पर परामर्श
- मेरा गांव मेरा गौरव
- अग्रपंक्ति प्रदर्शन

मानव संसाधन विकास

- प्रशिक्षण कार्यक्रम
- संगोष्ठियों / परिसंवादों / सम्मेलनों में सहभागिता
- पुरस्कार / सम्मान / अभिस्वीकृतियां
- छात्रों का दौरा
- नवीन नियुक्तियों / स्थानान्तरण

अनुसंधान उपलब्धियां

अनुसंधान गतिविधियां

- कर्तविकों के रूप में स्प्लिट नोड का प्रयोग करते हुए इन विट्रो कैलस प्रेरण को तीन संकरों (DMRH 1301, DMRH 1308 एवं DHM 117)का उपयोग करते हुए मानकीकृत किया जा रहा है। ऑक्सिन एवं साइटोकाइनिन हार्मोन के भिन्न संयोजन सहित मीडिया में पुनरुत्पादन के लिए इन संकरों का मूल्यांकन किया गया। संकर DMRH 1308 और DMRH 1301 में पुनरुत्पादन के संबंध में उत्साहवर्धक परिणाम प्राप्त किए गए।

NEWS UPDATES

RESEARCH HIGHLIGHTS

- Research Activities
- Germplasm Import/Distribution

IMPORTANT EVENTS

- Independence Day Celebration
- DUS Testing Workshop
- Corn Festival
- 13th Asian Maize Conference
- HTMA Project Launch
- Visit of Dignitaries
- 'Swachhata Hi Sewa'
- Hindi Promotion Activities
- Vigilance Awareness Week
- Important Meetings

INSTITUTE OUTREACH PROGRAMMES

- Advisory on New Pest (FAW)
- 'Mera Gaon Mera Gaurav'
- Front Line Demonstrations

HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

- Training Programmes
- Participation in Seminars/ Symposia/ Conferences
- Awards/Honours/Recognitions
- Students Visit
- New Joinings/ Transfers

RESEARCH HIGHLIGHTS

Research activities

- *In vitro* callus induction using split node as explants is being standardized using three hybrids (DMRH 1301, DMRH 1308 and DHM 117). These hybrids were evaluated for regeneration in media containing different combinations of auxin and cytokinin hormone. Encouraging results concerning regeneration are achieved in DMRH 1308 and DMRH 1301.



DMRH 1308 में पुनरुत्पादन
Regeneration in DMRH 1308



DMRH 1301 में पुनरुत्पादन
Regeneration in DMRH 1301

MAIZE GERmplasm DECISION SUPPORT DATABASE
ICAR - Indian Institute of Maize Research

Welcome, Administrator | HOME | ABOUT US | SEARCH DATABASE | USEFUL LINKS | CONTACT US | MY ACCOUNT | LOGOUT

Add New Records		Change Password								
Delete			Normal Maize	2016	Rabi	1112	43040	42.00	Present	Absent
Delete			Normal Maize	2016	Rabi	1112	43064	48.00	Present	Present
Delete			Normal Maize	2016	Rabi	1112	43087	49.00	Present	Present
Delete			Normal Maize	2016	Rabi	1112	43100	49.00	Present	Absent

Showing 1 to 10 of 421 entries

मक्का जननद्रव्य निर्णय सहायता डाटाबेस
Maize germplasm decision support database

- 421 अंतर्जात वंशक्रमों की सूचना के साथ <https://krishi.icar.gov.in/wnciimr/myaccount.php> पर उपलब्ध मक्का जननद्रव्य निर्णय सहायता डाटाबेस को अद्यतन किया गया है।
- The maize germplasm decision support database available at <https://krishi.icar.gov.in/wnciimr/myaccount.php> has been updated with information of 421 inbred lines.

- खरीफ मौसम के दौरान साइलेज बनाने हेतु बढ़ती पुनरावृत्तीय मक्का फसलों की व्यवहार्यता का पता लगाने के लिए जीएडीवीएसयू के सहयोग से भाकृअनुप-भा.म.अनु.सं., लुधियाना में एक परीक्षण किया गया। संस्तुत कृषि विधियों के पैकेज के साथ खरीफ 2018 के दौरान 15 जून से 25 जुलाई तक बुवाई की पांच भिन्न तारीखों (प्रत्येक बुवाई में 10 दिनों का अंतराल) पर चारा मक्का (J-1006) उगाया गया। फील्ड परीक्षणों के आधार पर, यह पाया गया कि 15 जून से 15 जुलाई, 2018 की अवधि के बाद बोई गई फसल की तुलना में इस दौरान बोई गई फसल में उच्च हरा चारा उपज प्राप्त की गई।
- भाकृअनुप-राष्ट्रीय कृषि विज्ञान निधि, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित एक परियोजना “लॉन्ग टर्म कंजर्वेशन एग्रीकल्चर इम्पेक्ट ऑन माइक्रोबायोटम एंड सॉल्व हेल्थ इंडिकेटर्स फॉर रिसोर्स एफिसियेंसी एंड रिजिलियेंस इन मेज़ सिस्टम्स” को दिनांक 01 नवंबर, 2018 को शुरु किया गया। इस परियोजना की तीन वर्षों की अवधि के लिए कुल अनुमोदित लागत रु. 162.27 लाख है। भा.म.अनु.सं.-लुधियाना और भाकृअनुप-भाकृअसं दोनों इसमें अग्रणी केंद्र हैं और भाकृअनुप-पूर्वी क्षेत्र अनुसंधान परिसर सहयोगी संस्थान है। इस परियोजना का उद्देश्य मक्का फसल आधारित कृषि प्रणालियों में दीर्घकालिक संरक्षण कृषि परीक्षणों में मृदा स्वास्थ्य संकेतकों और माइक्रोबायोटम का अध्ययन करना है।
- खरीफ, 2018 के लिए अखिल भारतीय समन्वित मक्का सुधार परियोजना (एआईसीएमआईपी) के तहत कुल 24 परीक्षण गठित किए गए। इनमें प्रजनन परीक्षण (6), पैथोलॉजी (15) और कीटविज्ञान (3) परीक्षण शामिल थे। परीक्षणों का मूल्यांकन 5 से 23 स्थानों में किया जा रहा है।
- खरीफ 2018 के दौरान लुधियाना, पंतनगर और अम्बिकापुर में 40 प्रयोगात्मक बेबी कार्न संकरों का एक परीक्षण किया गया। उनमें से दो बेबी कार्न संकर 0598C1-30x0651C1-30 and 0555C1-30x0598C1-30 चेक (IMHB1532, IMHB1539 & HM4) से श्रेष्ठ पाये गये।
- आई.आई.एम.आर लुधियाना में बंसत ऋतु, 2018 में 47 प्रजातियों का चेक अफ्रीकन टाल के साथ परीक्षण किया गया जिसमें से नौ श्रेष्ठ (>10%) प्रजातियों PAU17128, 157-NLM-59(2), 126-NL-13(A), 153-NLM-58(4), 132-NLM-21(A), 134-NLM-22, 137-NLM-25, 143-NLM-51, 151-NLM-58(2) की पहचान की गयी।

आयातित जननद्रव्य

- सीमीट, मैक्सिको से पांच जाला मक्का वंशावलियों का आयात किया गया और टियोसिन्टे प्रजा. जी मैक्सिकेना की 19 भिन्न वंशावलियों को भाकृअनुप-एनआईबीएसएम, रायपुर से जुलाई, 2018 में मंगवाया गया।
- विविध स्टार्च प्रोफाइल के लिए चौबीस मक्का वंशावलियों को मेज़ जेनेटिक स्टॉक सेंटर, यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनॉइस, यूएसए से आयातित किया गया।

जननद्रव्य का वितरण

- भाकृअनुप-भा.म.अनु.सं. और भाकृअनुप-एनबीपीजीआर ने भाकृअनुप-भा.म.अनु.सं., हैदराबाद के शीतकालीन पौध केन्द्र में दिनांक 25 सितंबर, 2018 को मक्का जननद्रव्य फील्ड दिवस का आयोजन संयुक्त रूप से किया। सीआरपी-एग्रो बायोडायवर्सिटी परियोजना के तहत एनबीपीजीआर, नई दिल्ली में राष्ट्रीय जीन बैंक (एनजीबी) से दो सौ पंचानवे (295) मक्का वंशावलियों को प्रदर्शित किया गया। मक्का वंशावलियों का मूल्यांकन विभिन्न जांच किस्मों,

- A trial to explore the feasibility of growing repeated maize crops for silage making during *kharif* season was conducted at ICAR-IIMR, Ludhiana in collaboration with GADVASU. The fodder maize (J-1006) was grown on five different dates of sowing (10 days gap in each sowing) from 15th June to 25th July during *Kharif* 2018 with recommended package of practices. On the basis of field trials, it is observed that the crop sown from 15th June to 15th July 2018 provides higher green fodder yield as compared to the crop sown after wards.
- A new externally funded project on the “Long-term conservation agriculture impact on microbiome and soil health indicators for resource efficiency and resilience in maize systems” funded by ICAR-National Agriculture Science Fund, New Delhi was initiated from 1st November, 2019. The total approved project cost is Rs. 162.27 lakh for a period of three years. IIMR, Ludhiana is the lead centre with ICAR-IARI and ICAR-RC for ER, Patna as collaborating institutes. The project aims to study the soil health indicators and microbiome in long term conservation agriculture experiments in maize based cropping systems.
- A total of 24 trials were constituted under the AICRP on Maize for *kharif*, 2018. These included Breeding trials (6) Pathology (15) and Entomology (3). The trials are being evaluated in 5 to 23 locations.
- A trail of 40 experimental baby corn hybrids was conducted in *kharif*, 2018 at Ludhiana, Pantnagar and Ambikapur. Two hybrids namely 0598C1-30x0651C1-30 and 0555C1-30x0598C1-30 were identified superior for baby corn yield over the checks (IMHB1532, IMHB1539 & HM4).
- A trial for evaluation of 47 landraces with one check (African tall) conducted in spring, 2018 at IIMR, Ludhiana led to identification of nine superior (>10%) landraces namely PAU17128, 157-NLM-59(2), 126-NL-13(A), 153-NLM-58(4), 132-NLM-21(A), 134-NLM-22, 137-NLM-25, 143-NLM-51, 151-NLM-58(2).

Germplasm Imported

- Five Jala maize accessions were imported from CIMMYT Mexico and 19 different accessions of *Teosinte ssp. Zea mexicana* were procured from ICAR-NIBSM, Raipur in July 2018.
- Twenty four maize accession for diverse starch profile were imported from Maize Genetic Stock Center, University of Illinois, USA.

Germplasm distribution

- ICAR-IIMR and ICAR-NBPGR jointly organized Maize Germplasm Field Day at Winter Nursery Centre of ICAR-IIMR, Hyderabad on 25th September 2018. Two hundred ninety five maize accessions from the National Gene Bank (NGB) at NBPGR, New Delhi under the CRP-Agro biodiversity project were displayed. The maize accessions

LM-13, LM-14, PMH-1 और प्रभात के साथ संवर्धित ब्लॉक डिजाइन में किया जा रहा है। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र, दोनों के संगठनों से बत्तीस (32) प्रतिभागियों ने फील्ड दिवस में भाग लिया। प्रतिभागियों को एक "जननद्रव्य सूचना और फील्ड डाटा पुस्तिका" उपलब्ध कराई गई जिसमें वंशावलियों की लघु सूचना और वर्तमान ऋतु में दर्ज किया हुआ डाटा सम्मिलित था ताकि उन्हें किस्मों के चयन करने में सहायता प्रदान की जा सके। फील्ड दिवस में डॉ. के. वी. प्रभु, अध्यक्ष, पीपीवी एफआरए और भाकअनुप-भा.म.अनु.सं., लुधियाना के निदेशक डॉ. सुजय रक्षित; पीपीवी एफआरए के रजिस्ट्रार डॉ. रवि प्रकाश, पीपीवीएफआरए के रजिस्ट्रार डॉ. टी. के. नागरत्ना, पीजेटीएसएयू के निदेशक अनुसंधान डॉ. आर. जगदीश्वर; एनबीपीजीआर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अशोक कुमार तथा अन्य अनेक महानुभाव भी फील्ड दिवस में उपस्थित थे।

महत्वपूर्ण कार्यक्रम

स्वतंत्रता दिवस का आयोजन

संस्थान के सभी केंद्रों में 71वां स्वतंत्रता दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रेरणादायी अभिभाषण के साथ देश भक्ति गीत का गायन किया गया। निदेशक ने क्षेत्रीय मक्का अनुसंधान और बीज उत्पादन केंद्र, बेगुसराय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।



स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वजारोहण
National Flag hoisting on Independence day

बीज क्षेत्र विकास पर भारत-जर्मनी द्विपक्षीय सहयोग के तहत मक्का में डीयूएस परीक्षण पर कार्यशाला

भाकअनुप.-भा.म.अनु.सं. और पीजेटीएसएयू ने पीपीवी एफआरए के सहयोग से पीजेटीएसएयू, हैदराबाद में दिनांक 25-26 सितंबर, 2018 के दौरान "मक्का पर डीयूएस कार्यशाला" का आयोजन किया। डॉ. के. वी. प्रभु, अध्यक्ष, पीपीवीएफआरए मुख्य अतिथि के रूप में प्रारंभिक सत्र में उपस्थित थे। कार्यशाला में भाग लेने वाले अन्य महानुभावों में डॉ. वी. प्रवीण राव, कुलपति, पीजेटीएसएयू और डॉ. सबाइन उल्डाइक इलिसाबेथ लायूर जर्मनी के विशेषज्ञ डीयूएस परीक्षण पर शामिल थे। डॉ. सुजय रक्षित,



महानुभाव एक प्रतिभागी का अभिनंदन करते हुए
The dignitaries felicitating a participant during
DUS workshop on Maize

were being evaluated in augmented block design with different checks, viz., LM-13, LM-14, PMH-1 and Prabhat. Thirty two participants from public and private sector and both organizations participated in the field day. A "Germplasm Information and Field Data Book" containing the passport information of the accessions and the data recorded in the current season was provided to the participants in order to help them in making selections. The field day was graced by Dr K.V. Prabhu, Chairperson, PPVFRA; Dr. Sujay Rakshit, Director, ICAR-IIMR, Ludhiana; Dr Ravi Prakash, Registrar, PPVFRA; Dr T.K.Nagaratna, Registrar, PPVFRA, Dr. R. Jagadeshwar, Director Research, PJTSAU; Dr. Ashok Kumar, Principal Scientist NBPGR and many others.



मक्का जननद्रव्य फील्ड दिवस के प्रतिभागी
Participants of the Maize Germplasm Field Day

IMPORTANT EVENTS

Independence Day celebration

The 71st Independence Day was celebrated at all the centres of the institute with full zeal and fanfare. The day was marked with inspirational speeches, songs and recitation. On this occasion, the Director hoisted the national flag at Regional Maize Research and Seed Production Center, Begusarai.

Workshop on DUS Testing on Maize under Indo-German Bi-lateral Cooperation on Seed Sector Development

ICAR-IIMR and PJTSAU in collaboration with PPV&FRA organized a "DUS Workshop on Maize" from 25-26 September, 2018 at PJTSAU Hyderabad. The inaugural session was graced by Dr. K. V. Prabhu, Chairperson, PPVFRA as Chief Guest. Other dignitaries attended the program were Dr. V. Praveen Rao, Vice

निदेशक, भा.म.अनु.सं. कार्यशाला के संयोजक थे। डॉ. आर. जगदीश्वर, अनुसंधान निदेशक, पीजेटीएसएयू ने मुख्य अतिथि तथा अन्य महानुभावों का स्वागत किया। डॉ. के. वी. प्रभु ने पादप ब्रीडर्स, किसानों तथा अनुसंधानकर्ता हित के संरक्षण हेतु पीपीवी एफआरए की महत्ता को उजागर किया। डॉ. प्रवीण रॉय ने कार्यशाला का आयोजन करने की पहल की प्रशंसा की और यह उम्मीद जताई कि ब्रीडर अपने स्वयं के अधिकारों तथा किसानों के अधिकारों के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। डॉ. सुजय रक्षित ने वैज्ञानिकों से अपने अनुभवों को सांझा करने का आग्रह किया, जो डीयूएस परीक्षण दिशानिर्देशों की समीक्षा करने में उपयोगी हो सकते हैं। डॉ. सबाइन उल्साइक इलिसाबेथ लायूर ने जर्मनी द्वारा अनुसरण की जा रही पीपीवी कार्यविधियों को उजागर किया।

मक्का महोत्सव

मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिला प्रशासन ने जेएनकेवीवी, जबलपुर और भाकृअनुप-भा.म.अनु.सं., लुधियाना के सहयोग से दिनांक 29-30 सितंबर, 2018 के दौरान "मक्का महोत्सव" का आयोजन किया, जो अपने आप में पहला ऐसा महोत्सव है। उद्घाटन कार्यक्रम में उपस्थित विशेष अतिथियों में डॉ. पी. के. बिसेन, कुलपति, जेएनकेवीवी; डॉ. सुजय रक्षित, निदेशक भाकृअनुप-भा.म.अनु.सं.; डॉ. साई दास, पूर्व निदेशक भा.म.अनु.सं. और श्री वेद प्रकाश, जिला कलेक्टर, छिंदवाड़ा थे। डॉ. पी. के. बिसेन ने यह उम्मीद जताई कि यह महोत्सव नीति निर्माताओं के अलावा, मक्का किसानों, कारोबारियों, प्रसंस्करणकर्ताओं और वैज्ञानिकों के बीच प्रभावी संवाद के लिए एक प्लेटफॉर्म की तरह कार्य करेगा। डॉ. सुजय रक्षित ने यह तथ्य उजागर किया कि इस

Chancellor, PJTSAU and Dr. Sabine Ulrike Elisabeth Lauer, German Expert on DUS testing. Dr. Sujay Rakshit, Director, IIMR was the Convener of the Workshop. Dr. R. Jagadeeshwar, Director of Research, PJTSAU welcomed the Chief Guest and other Dignitaries. Dr. K.V. Prabhu highlighted the significance of PPV&FRA in safeguarding the interest of plant breeders, farmers and researchers. Dr. Pravin Rao lauded the initiative to organize the workshop and expressed hope that the breeders will be proactive in protecting their rights as well as the rights of the farmers. Dr. Sujay Rakshit urged the scientists to share their experiences, which may culminate in reviewing the DUS testing guidelines. Dr. Sabine Ulrike Elisabeth Lauer highlighted the PPV procedures being followed in Germany.

Corn Festival

The first of its kind, a "Corn Festival" was organized by district administration of Chhindwara, Madhya Pradesh in collaboration with JNKVV, Jabalpur and ICAR-IIMR, Ludhiana from 29-30 September, 2018. The special guests in inaugural function were Dr. P.K. Bisen, Vice Chancellor, JNKVV; Dr Sujay Rakshit, Director ICAR-IIMR; Dr Sain Dass, Ex Director IIMR and Mr. Ved Prakash, District Collector, Chhindwara. Dr. P.K. Bisen expressed the hope that the festival will act as a platform for effective dialogues between the maize farmers, traders, processors and scientists besides the policy makers. Dr. Sujay



कॉर्न महोत्सव की कुछ झलकियां

Some glimpses of the corn festival

क्षेत्र में मक्का के तहत क्षेत्रफल, उत्पादन और उत्पादकता के आधार पर मक्का में जबरदस्त सुधार देखा गया है। डॉ. साई दास ने उत्पादकता बढ़ाने हेतु उन्नत प्रौद्योगिकी के अंगीकरण तथा किसानों की आय बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। श्री वेद प्रकाश ने सभी क्षेत्रों को जिले में मक्का के समग्र विकास के लिए एक साथ कार्य करने का आग्रह किया। जिला कलेक्टर ने मक्का के एक प्रतीक से परदा उठाया जो कॉर्न सिटी में एक सेल्फी का बिंदु बन गया। उन्होंने मध्य प्रदेश में मक्का के हाइब्रिड बीज के उत्पादन और अंगीकरणीयता की संभावना के बारे में बताया। भाकृअनुप-भा.म.अनु.सं. ने संकर मक्का और संकर बीज उत्पादन तथा विशिष्ट मक्का की उन्नत उत्पादन प्रौद्योगिकी को प्रदर्शित किया। इस दौरान 80,000 से अधिक आगंतुकों ने प्रदर्शनी का दौरा किया। भा.म.अनु.सं. के मक्का विशेषज्ञों ने संवर्धित उत्पादन तथा बेहतर जुताई विधियों के लिए अपने दूरदर्शी सोच को साझा किया।

Rakshit highlighted the fact that maize showed tremendous improvement in terms of area, production and productivity in this region. Dr. Sain Dass stressed the need of adoption of improved technology to increase productivity and enhance farmer's income. Mr Ved Prakash urged all sector to come together for holistic corn growth in this district. The district collector unveiled the curtain from a symbol of maize that become a selfie point in corn city. He mentioned the potential of adaptability and production of hybrid seed of maize in Madhya Pradesh. ICAR-IIMR exhibited improved production technology of hybrid maize and seed production of hybrid as well as specialty maize. More than 80,000 visitors visited the exhibition. The maize experts from IIMR shared their vision for enhanced production and better tillage practices.

13वां एशियाई मक्का सम्मेलन

“खाद्य, आहार, पोषण और पर्यावरण सुरक्षा के लिए मक्का” पर 13वां एशियाई मक्का सम्मेलन और विशेषज्ञ परामर्श दिनांक 8 से 10 अक्टूबर, 2018 के दौरान लुधियाना में आयोजित किया गया। सम्मेलन का उद्घाटन डॉ. त्रिलोचन महापात्रा, सचिव, डेयर और महानिदेशक, भाकृअनुप द्वारा किया गया। इस तीन दिवसीय सम्मेलन को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (भाकृअनुप), अंतर्राष्ट्रीय मक्का और गेहूं सुधार केंद्र, भाकृअनुप-भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान (भाकृअनुप-भा.म.अनु.सं.), पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू), सीजीआईएआर-मक्का अनुसंधान कार्यक्रम (मक्का) और बोरलॉग दक्षिण एशिया संस्थान (बिसा) ने संयुक्त रूप से आयोजित किया। महाद्वीप के बाहर से पधारे विशेषज्ञों के अलावा, एशिया के अनेक मक्का उत्पादक देशों से 260 से ज्यादा प्रतिनिधियों ने सम्मेलन में भाग लिया। डॉ. त्रिलोचन महापात्रा ने प्रतिभागियों से मक्का की उत्पादकता को खरीफ मौसम में बढ़ाकर 5 टन प्रति हैक्टे. करने का आह्वान किया। पाकिस्तान और चीन का उदाहरण देते हुए, डॉ. महापात्रा ने मक्का उत्पादकता में सुधार लाने हेतु एकल संकर हाइब्रिडों को खेतों में लगाने के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी की आवश्यकता पर जोर दिया। डॉ. मार्टिन क्राफ, महानिदेशक, सीमीट ने कहा कि एशिया में मक्का की उच्च उत्पादकता और मांग है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन की समस्या को ध्यान में रखते हुए मक्का अनुसंधान के लिए निरंतर वित्तपोषण की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. बी. एस. ढिल्लों ने जलवायु अनिश्चितताओं की चुनौतियों से निपटकर मक्का उत्पादकता को दुगुना करने की बात की। डॉ. बी. एम. प्रसन्ना, निदेशक, वैश्विक मक्का कार्यक्रम, सीमीट और सीजीआईएआर मक्का अनुसंधान कार्यक्रम, ने सम्मेलन में विभिन्न प्रकार के विषयों को शामिल किए जाने पर जोर दिया जिसमें सार्वजनिक निजी भागीदारियों की महत्ता के अलावा, बड़े परिणाम हासिल करने हेतु मक्का आधारित प्रणाली में जलवायु अनुकूलनता के लिए प्रजनन तथा जलवायु अनुकूल कृषि से लेकर सामाजिक-आर्थिक विषय शामिल किए जाने चाहिए। स्वागत कार्यक्रम के पश्चात अपने संबोधन में डॉ. एन. एस. बैन्स, अनुसंधान निदेशक, पीएयू ने 24 वर्षों के बाद दूसरी बार भारत में सम्मेलन के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त की। डॉ. सुजय रक्षित, निदेशक, भाकृअनुप-भामअनुसं, लुधियाना ने उद्घाटन कार्यक्रम में प्रतिनिधियों का धन्यवाद किया। डॉ. बी. एस. ढिल्लों को इस अवसर पर “मेज चैम्पियन पुरस्कार” से सम्मानित किया गया। सम्मेलन के दौरान कुल मिलाकर 9 तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। भारत में लोकप्रिय हाइब्रिडों, संरक्षण कृषि, यांत्रिकीकरण और परिशुद्ध पोषण को उजागर करने

13th Asian Maize Conference

The 13th Asian Maize Conference and Expert Consultation on “Maize for Food, Feed, Nutrition and Environment Security” was held from October 8-10 at Ludhiana. The conference was inaugurated by Dr. Trilochan Mohapatra, Secretary, DARE and DG, ICAR. The three-day conference was jointly organised by Indian Council of Agricultural Research (ICAR), International Maize and Wheat Improvement Centre (CIMMYT), ICAR-Indian Institute of Maize Research (ICAR-IIMR), Punjab Agricultural University (PAU), CGIAR-Research Program on Maize (MAIZE) and the Borlaug Institute for South Asia (BISA). More than 260 delegates from several maize-growing countries in Asia, besides experts from outside the continent, participated in this conference. Dr Trilochan Mohapatra called upon the participants to work towards increasing maize productivity upto 5 t/ha in the *kharif* season. Citing example of Pakistan and China, Dr Mohapatra dwelled on the need for public private partnership in India to deploy single cross hybrids to improve maize productivity. Dr. Martin Kropff, Director General CIMMYT, mentioned that maize in Asia has high productivity and demand. He stressed the need for continued funding for maize research keeping in mind the climate change problem. Dr. B. S. Dhillon, Vice Chancellor, PAU pointed out the challenges of climate vagaries under which the maize productivity is to be doubled. Dr B.M. Prasanna, Director, Global Maize Programme, CIMMYT and CGIAR Research Programme on Maize highlighted the diverse range of topics to be covered in the conference, from breeding for climate resilience in maize-based systems and climate-smart agriculture to socio-economics for greater impact besides the importance of public private partnerships. In his welcome remarks Dr N.S. Bains, Director Research, PAU, expressed delight at the conference being held in India for the second time after a gap of 24 years. Dr. Sujay Rakshit, Director, ICAR-IIMR, Ludhiana thanked the delegates on the inauguration programme. Dr. B.S. Dhillon was awarded with MAIZE Champion Award on the occasion. A total of 9 technical sessions were held during the conference. A field visit of the



एशियाई मक्का सम्मेलन 2018 की कुछ झलकियां
Some glimpses of Asian Maize Conference 2018

हेतु बिसा, पीएयू और भा.म.अनु.सं. के अनुसंधान फार्मों पर दिनांक 10 अक्टूबर, 2018 को प्रतिनिधियों के एक फील्ड दौरे की व्यवस्था की गई।

एचटीएमए परियोजना की शुरुआत

लुधियाना में दिनांक 11 अक्टूबर 2018 को USAID प्रायोजित बहु-संगठन परियोजना "हाई टेम्परेचर टॉलरेंट मेज़ फॉर एशिया (एचटीएमए)" का शुभारंभ किया गया। बैठक का अयोजन सीमीट, भारत, द्वारा किया गया। भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, भूटान और नेपाल, सीमीट एवं USAID और पेरेड्यु यूनिवर्सिटी सहित विभिन्न एशियाई देशों से सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के कुल 20 प्रतिभागियों ने लोकार्पण कार्यक्रम में भाग लिया।

महानुभावों का दौरा

डॉ. एस. के. वसल, प्रख्यात मक्का वैज्ञानिक और विश्व खाद्य पुरस्कार प्राप्तकर्ता ने दिनांक 11 अगस्त, 2018 को संस्थान का दौरा किया।

डॉ. बी. एम. प्रसन्ना, निदेशक, सीजीआईएआर मक्का अनुसंधान कार्यक्रम और वैश्विक मक्का कार्यक्रम, ने दिनांक 11 अगस्त, 2018 को संस्थान का दौरा किया।



डॉ. बी.एम. प्रसन्ना भा.म.अनु.सं. के सदस्यों से विचार विमर्श करते हुए
Dr. B.M. Prasanna interacting with IIMR staff

experts and delegates was arranged to the research farms of BISA, PAU and IIMR on 10th October 2018 to highlight the performance of hybrids popular in India, conservation agriculture, mechanization and precision nutrition.

Launching of HTMA project

A USAID sponsored multi-organization project entitled "High temperature tolerant maize for Asia (HTMA)" was launched on 11th October, 2018 at Ludhiana. The meeting was organized by CIMMYT India. A total of 20 participants from public and private sectors from different Asian countries including India, Pakistan, Bangladesh, Bhutan and Nepal, CIMMYT, USAID and Perdue University attended the launch programme.



एचटीएमए परियोजना दल
The project team of HTMA

Visit of dignitaries

Dr. S. K. Vasal, distinguished maize scientist and World Food Prize recipient visited the institute on 11th August, 2018.

Dr. B.M. Prasanna, Director, CGIAR Research programme on maize (MAIZE) program visited IIMR on 11th August, 2018.



डॉ. एस.के. वसल लाढ़ोवाल फार्म पर
Dr. S.K. Vasal at Ladhawal Farm

स्वच्छता ही सेवा

संस्थान ने दिनांक 15 सितंबर से 2 अक्टूबर, 2018 के दौरान "स्वच्छता ही सेवा" अभियान चलाया। इस अवधि के दौरान प्रातःकाल 9.30 बजे से 10.30 बजे तक प्रत्येक दिन एक घंटा स्वच्छता संबंधी चर्चा-परिचर्चा, बातचीत, जागरूकता कार्यक्रम और पोस्टर प्रतियोगिता जैसे विषयों को तथा अगले घंटे के दौरान साफ-सफाई को लेकर विचार-विमर्श किया जाता था। भा.म.अनु.सं. के मुख्यालय और क्षेत्रीय केंद्रों में दिनांक 6 से 31 दिसंबर, 2018 के दौरान एक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया। इस अवधि के दौरान सूखी पत्तियों, घास-फूस एवं अन्य बायोमास को बायोमास गड्ढे में सरंक्षित किया गया।



Swachhata Hi Sewa

The institute organized "Swachhata Hi Sewa" campaign from 15th September to 2nd October 2018. During this period one hour from 9.30 AM to 10.30 AM every day was spent on debates, discussions, awareness programmes and poster competition and next hour was spent on cleanliness. A *swachhata pakhwara* was organized from 6 - 31st December, 2018 at IIMR head office and at regional stations. During this period dry leaves, weeds and other biomass was conserved in biomass pit.



स्वच्छता ही सेवा अभियान और स्वच्छता पखवाड़ा के तहत आयोजित कुछ गतिविधियां
Some activities conducted under *Swachhata Hi Sewa* campaign and *Swachhata Pakhwara*

हिंदी प्रोत्साहन गतिविधियां

हिंदी पखवाड़ा

भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान में दिनांक 14-28 सितंबर, 2018 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। पखवाड़े का शुभारंभ दिनांक 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाकर किया गया। पखवाड़े के दौरान कुल छः प्रतियोगिताओं, निबंध लेखन, भाषा प्रवीणता, हिंदी भाषा में सर्वाधिक कार्य करना, शब्द-ज्ञान, आशु-भाषण और सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी को शामिल किया गया। संस्थान के सभी कर्मचारियों ने इन प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़ कर भाग लिया। हिंदी दिवस में निदेशक महोदय ने प्रशासनिक वर्ग के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील की कि वे राजभाषा की धारा 3 (3) का अनिवार्य रूप से पालन करें एवं सर्वाधिक कार्य हिंदी में ही करें। कार्यालय में हिंदी में प्राप्त होने वाले पत्रों का उत्तर अनिवार्य रूप से हिंदी में ही देने का आदेश दिया गया। इस पखवाड़े का समापन समारोह दिनांक 28 सितंबर को मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. सौरभ कुमार (प्राध्यापक, हिंदी विषय) और संस्थान राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष डॉ. सुजय रक्षित (निदेशक, भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान) उपस्थित थे। प्रतियोगिताओं में निर्णायक मंडल द्वारा चुने गए विजेताओं को निदेशक महोदय और मुख्य अतिथि ने अपने कर-कमलों से प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि ने संस्थान के उपस्थित अधिकारियों से अपील की कि वो हिंदी भाषा को केवल संपर्क भाषा ही न समझें, अपितु राजभाषा को अपनी जीवन शैली में ढाल लें। निदेशक महोदय ने कहा कि 'ख' और 'ग' क्षेत्र से संबंध होने के बावजूद, संस्थान के अधिकारी और कर्मचारी हिंदी भाषा का प्रयोग करने की कोशिश करते हैं। यह अत्यंत ही प्रशंसनीय है।



राजभाषा पखवाड़ा समापन समारोह

हिंदी कार्यशाला

राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए 21 दिसम्बर 2018 को हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सभी वैज्ञानिकों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला में प्रशिक्षण देने हेतु नराकास, लुधियाना की सदस्य सचिव एवं सहायक निदेशक (राजभाषा) श्रीमती किरण साहनी जी को आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर अतिथि सह-निदेशक (राजभाषा, आयकर विभाग) एवं निदेशक (भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान) की गरिमामयी उपस्थिती प्रेरणादायी रही। इस प्रशिक्षण में कुल 08 वैज्ञानिकों और 03



हिंदी कार्यशाला में श्रीमती किरण साहनी व्यक्तव्य प्रस्तुत करते हुए प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया।

भारत रत्न माननीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रथम मासिक पुण्य-तिथि पर श्रद्धांजलि

माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री राधा मोहन सिंह के दिशा निर्देश पर दिनांक 16 सितम्बर 2018 को सांयकाल में भारत रत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की कविताओं का काव्यपाठ आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित संस्थान के सभी वैज्ञानिक, अधिकारी एवं प्रशासनिक वर्ग के कर्मचारियों ने



भारत रत्न माननीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रथम मासिक पुण्य-तिथि पर श्रद्धांजलि



हिंदी पत्रिका 'कृषि चेतना' प्रकाशित करने पर नराकास द्वारा सम्मानित

उन्हें नमन किया और भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके उपरान्त कार्यकारी निदेशक महोदय ने उनकी जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनकी जीवन शैली और उनके व्यक्तित्व की प्रशंसा की। उपस्थित कर्मचारियों ने अटल जी के काव्य सागर से उन्ही को काव्यांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। माननीय अटल जी का भारत निर्माण में अतुलनीय योगदान हम सबके लिए पथप्रदर्शक है। उनके व्यक्तित्व की महानता हमेशा हमेशा के लिए भारतीयों के हृदयों में गौरवशाली प्रेरणा के रूप में फूलती फूलती रहेगी।

वर्ष 2018 के दौरान हिंदी भाषा में कार्यान्वयन क्षेत्र में संसिान की प्रमुख उपलब्धियां

- वर्ष 2018 में हिंदी दिवस के उपलक्ष में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) द्वारा संयुक्त हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें डॉ प्रदीप कुमार (वैज्ञानिक) को प्रोत्साहन पुरस्कार मिला।
- हिंदी पत्रिका 'कृषि चेतना' के प्रकाशन करने पर संस्थान को वर्ष 2018 में नराकास द्वारा सम्मानित किया गया।
- नराकास द्वारा वर्ष 2018 में सर्वाधिक कार्य का निष्पादन हिंदी में करने पर संसिान को 'छोटे कार्यालय' की श्रेणी में तृतीय स्थान पुरस्कार प्रदान किया गया।
- संस्थान में हिंदी कार्य संबंधी औचक निरीक्षण राजभाषा अधिकारी, डेअर (भारत सरकार) द्वारा किया गया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

सतर्कता जागरूकता सप्ताह दिनांक 29 अक्टूबर से 3 नवंबर, 2018 के दौरान मनाया गया। संस्थान के सभी केंद्रों में समस्त कर्मचारीगणों ने सत्यनिष्ठा की शपथ ली। इस अवधि के दौरान चर्चा, निबंध और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। संस्थान की सत्यनिष्ठा शपथ को ऑनलाइन पंजीकृत किया गया और व्यक्तिगत स्तर पर ऑनलाइन सत्यनिष्ठा शपथ को प्रोत्साहित किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को दिनांक 3 नवंबर, 2018 को आयोजित समापन समारोह में प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

महत्वपूर्ण बैठकें

संस्थान प्रबंधन समिति की बैठक

संस्थान प्रबंधन समिति की 10वीं बैठक दिनांक 11 सितंबर, 2018 को लुधियाना में डॉ.



'छोटे कार्यालय' की श्रेणी में वर्ष भर सर्वाधिक कार्य का निष्पादन हिंदी में करने पर तीसरा स्थान पुरस्कार प्राप्त

Vigilance Awareness Week

The Vigilance Awareness Week was organized from 29th October to 3rd November 2018. Integrity pledge was taken by staff members at all the centres of the institute. Some events such as debate, essay and quiz competitions were organised during this period. Institute integrity pledge was registered online and online integrity pledge at individual level was encouraged. Certificates were distributed to the winners of various competitions during the closing ceremony held on 3rd November 2018.



भामअनुस सदस्य सत्यनिष्ठा शपथ लेते हुए

IIMR staff undertaking the integrity pledge

Important Meetings

Institute Management Committee Meeting

The 10th meeting of Institute Management Committee was held on 11th Sept, 2018 at Ludhiana under the chairmanship of Dr. Sujay Rakshit, Director IIMR. The members who attended the meeting include Mr. Ashwani Kumar (AO), Dr. S.K. Guleria and Dr. Subash Chander. Besides Dr. K. S. Hooda (PS), Dr. Dharam Paul (PS), Dr. Ramesh Kumar (PS), Sh. Permod Sharma (AFAO) and Ms. Chinkey Aggarwal (Assistant) from IIMR also attended the meeting. The agenda for the meeting includes proposed outlay of the SFC 2017-18, condemnation of old

सुजय रक्षित, निदेशक भा.म.अनु.सं. की अध्यक्षता में हुई। बैठक में भाग लेने वाले सदस्यों में श्री अश्विनी कुमार (प्रशा. अधिकारी), डॉ. एस. के. गुलेरिया एवं डॉ. सुभाष चन्द्र थे। इसके अलावा, भा.म.अनु.सं. से डॉ. के. एस. हूड्डा (प्रधान वैज्ञानिक), श्री प्रमोद शर्मा (एएफएओ) और सुश्री चिंकी अग्रवाल (सहायक) ने भी बैठक में भाग लिया। बैठक के लिए कार्यसूची में एसएफसी 2017-18 का प्रस्तावित परिव्यय, एसएफसी 2017-20 के तहत अनुमोदित पुराने वाहनों का निराकरण, और डब्ल्यूएनसी, हैदराबाद में वर्तमान कीटविज्ञान प्रयोगशाला का विस्तार जैसे विषय शामिल थे। आईएमसी के सचिव के धन्यवाद प्रस्तुत करने के साथ बैठक संपन्न हुई।

फाल अर्मीवार्म पर जागरूकता बैठक

सचिव, डेयर और महानिदेशक, भाकृअनुप की अध्यक्षता में दिनांक 20 अगस्त, 2018 को कृषि भवन, नई दिल्ली में फाल अर्मीवार्म पर एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई। सचिव, डीएसी और एफडब्ल्यू की अध्यक्षता में दिनांक 14 नवंबर को कृषि भवन में एक और उच्च स्तरीय बैठक हुई। फाल अर्मीवार्म पर राज्य पदाधिकारियों के सुग्राहीकरण के लिए 16 नवंबर का कोलकाता में और 29 नवंबर को पटना में जागरूकता कार्यशालाएं आयोजित की गईं। प्रमुख मक्का उत्पादक जिलों से जिला अधिकारियों ने कार्यशालाओं में भाग लिया।



एफएडब्ल्यू पर सुग्राहीकरण कार्यशाला
Sensitization workshop on FAW

अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक

संस्थान की अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक दिनांक 15-16 दिसंबर, 2018 को प्रोफेसर आर. एम. सिंह, भूतपूर्व प्रतिष्ठित प्राध्यापक एवं अधिष्ठाता, कृषि संकाय, कृषि विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदु विश्वविद्यालय, वाराणसी, की अध्यक्षता में हुई। बैठक में उपस्थित सदस्यों में डॉ. एम. एल. लोधा, भूतपूर्व प्रोफेसर एवं प्रभागध्यक्ष, जैव रसायन विज्ञान प्रभाग, भाकृअनुप-भाकृअसं, नई दिल्ली; डॉ. श्रीकांत कुलकर्णी, भूतपूर्व प्रोफेसर एवं प्रभागध्यक्ष (पादप रोग विज्ञान), जीकेवीके, बेंगलुरु; डॉ. आर. एम. प्रसाद, पूर्व सह निदेशक विस्तार, केएयू. त्रिसूर; डॉ. ए. आर. शर्मा, अनुसंधान निदेशक, आरएलबी केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी, प्रोफेसर एस. आर. मालू, भूतपूर्व अधिष्ठाता एवं प्रभारी, कृषि विज्ञान संकाय, पेसिफिक कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, पेसिफिक यूनिवर्सिटी, उदयपुर; डॉ. आर. के. सिंह, सहायक महानिदेशक (सीसी एवं एएफसी), भाकृअनुप, नई दिल्ली और डॉ. सुजय रक्षित, निदेशक, भाकृअनुप-भा.म.अनु.सं., लुधियाना उपस्थित थे। बैठक की शुरुआत भाकृअनुप-आईआईएमआर, लुधियाना के निदेशक द्वारा आरएसी के अध्यक्ष एवं सदस्यों तथा अन्य प्रतिभागियों के स्वागत के साथ हुई। डॉ. के. एस. हूड्डा, सदस्य सचिव, आरएसी

vehicle approved under SFC 2017-20, and extension of existing entomology laboratory, at WNC, Hyderabad. The meeting ended with vote of thanks by the secretary, IMC.



आईएमसी के सदस्य कार्यसूची मदों पर चर्चा करते हुए
The IMC members discussing the agenda items

Awareness Meetings on Fall Armyworm (FAW)

A high level meeting on fall armyworm was held on 20th August, 2018 under chairmanship of Secretary, DARE & DG, ICAR at Krishi Bhavan. Another high level meeting was held at Krishi Bhavan on 14th November under chairmanship of Secretary, DAC & FW. Awareness workshops were held in Kolkata on 16th November and in Patna on 29th November for sensitization of the state officials on fall armyworm. District officials from principal maize growing districts attended the workshops.

Research Advisory Committee (RAC) Meeting

The meeting of the Research Advisory Committee of the institute was held on 15-16 December, 2018 under chairmanship of Prof. R.M. Singh, Former Professor Emeritus & Dean, Faculty of Agriculture, Institute of Agricultural Sciences, Banaras Hindu University, Varanasi. Other members who attended the meeting included Dr. M.L. Lodha, Ex-Prof. & Head, Division of Biochemistry, ICAR-IARI, New Delhi; Dr. Srikanth Kulkarni,



डॉ. आर. एम. सिंह, अध्यक्ष, आरएसी बैठक की अध्यक्षता करते हुए
Dr. R.M. Singh, chairing the RAC meeting

ने पिछली आरएसी बैठक (2017) की सिफारिशों के संबंध में कार्यवाही रिपोर्ट (एटीआर) प्रस्तुत की। इसके उपरांत वर्ष 2017-18 के दौरान संस्थान की प्रमुख उपलब्धियों का प्रस्तुतीकरण किया गया। समिति ने पिछले वर्ष के दौरान संस्थान की प्रगति की सराहना की। आरएसी के अध्यक्ष ने क्यूपीएम की उपज में सुधार लाने के लिए हाइब्रिडों के विकास तथा गहन अनुसंधान करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि देशज वंशक्रमों और विदेशी जननद्रव्य का उपयोग पूर्व-प्रजनन कार्यक्रमों में किया जाना चाहिए ताकि उन्हें रोग और कीट प्रबंधन में भी उपयोग किया जा सके। संरक्षण कृषि और पारंपरिक कृषि की तुलना दीर्घकालिक आधार की जानी चाहिए। समिति की मुख्य सिफारिशों में उच्च सघन रोपण सामग्री के विकास पर संकेंद्रित अनुसंधान, जीनोमिक डाटा के साथ मक्का जननद्रव्य की हेटेरोटिक ग्रीपिंग का संवर्धन, संरक्षण कृषि आधारित अनुसंधान का सुदृढीकरण, टीएलबी (सेटोस्फेरीया टरसिका) के रोगजनकों में विविधता की पहचान करना, कीटों के प्रबंधन में कीट-रोगजनकों का उपयोग और संस्थान में आउटरीच कार्यक्रम का सुदृढीकरण जैसी सिफारिशें थीं। बैठक के दौरान डॉ. अमरेन्द्र कुमार, एकेएमयू, भाकृअसं द्वारा “मक्का रोगों के लिए मौसम आधारित पूर्वचेतावनी प्रणाली” पर एक प्रस्तुतीकरण दिया गया। आरएसी के अध्यक्ष ने बीएसएलबी के लिए वेब आधारित पूर्वानुमान मॉडल की शुरुआत की।

संस्थान जैवसुरक्षा समिति (आईबीएससी) बैठक

संस्थान जैव सुरक्षा समिति (आईबीएससी) बैठक दिनांक 21 दिसंबर, 2018 को डॉ. सुजय रक्षित की अध्यक्षता में हुई। समिति के अन्य सदस्यों में डॉ. तनुश्री कौल (डीबीटी नामित), डॉ. अमृता श्रीवास्तव (चिकित्सा अधिकारी), डॉ. मोनिका दलाल (बाह्य सदस्य), डॉ. भूपेन्द्र कुमार (सदस्य), डॉ. आला सिंह (सदस्य) और डॉ. कृष्ण कुमार (सदस्य सचिव) थे। समिति ने जीएमओ/एलएमओ को ध्यान में रखते हुए चालू परियोजनाओं की जैवसुरक्षा आयामों की समीक्षा की और उन्हें संतोषजनक पाया।

संस्थान आउटरीच कार्यक्रम

एफ.ए.डब्ल्यू पर परामर्श

कर्नाटक के शिवमोगा जिले से दिनांक 18 मई, 2018 को एक नई विनाशी कीट, फाल आर्मीवार्म (एफएडब्ल्यू), *Spodoptera frugiperda* स्मिथ को सूचित किया गया। भाकृअनुप-एनबीआईआर ने दिनांक 30 जुलाई, 2018 को एफएडब्ल्यू पर एक चेतावनी जारी की और पादप संरक्षण, संगरोध और भंडारण निदेशालय, फरीदाबाद को दिनांक 6 अगस्त 2018 को विदेशी विनाशी कीट पर परामर्श जारी किया गया। कर्नाटक में मक्का पर एफएडब्ल्यू की उत्पत्ति के आकलन के लिए तथा मक्का पर फाल आर्मीवार्म के प्रबंधन के लिए अल्पावधिक एवं दीर्घकालिक उपायों का सुझाव देने हेतु डॉ. जे. सी. शेखर, प्रधान वैज्ञानिक और प्रभारी शीतकालीन पौधशाला केन्द्र, भाकृअनुप-भा.म.अनु.सं. हैदराबाद ने एनबीआईआर, बेंगलुरु में दिनांक 9 अगस्त, 2018 को डॉ. एन. सत्यानारायण, संयुक्त निदेशक (पीपी), आईपीएम प्रभाग, डीपीपीक्यूएस की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में भाग लिया। इसके उपरांत एक उच्च स्तरीय टीम ने एफएडब्ल्यू की जमीनी वास्तविकताओं का पता लगाने के लिए नागरकुरनूल जिले के थिमाजीपेटा के गोरिता, गुमाकोंडा एवं इप्पालापल्ली एवं बिजिनेपाली के वेटम गांवों का दिनांक 18 अगस्त 2018 को दौरा किया। इस टीम में डॉ. ए. के. सिंह, उप महानिदेशक (फसल विज्ञान), डॉ. पी. चक्रवर्ती, सहायक महानिदेशक (पादप संरक्षण), भाकृअनुप, नई दिल्ली; डॉ. एम. जगदीश्वर, अनुसंधान निदेशक; डॉ. एस. जे. रहमान, प्रभागाध्यक्ष, कीटविज्ञान प्रभाग, पीजेटीएसएयू; डॉ. जे. सी. शेखर, डब्ल्यूएनसी, भा.म.अनु.सं., हैदराबाद और डॉ. एम. जगन मोहन रेड्डी, समन्वयक, केवीके शामिल थे। डॉ. सुजय रक्षित, निदेशक, भा.म.अनु.सं., डॉ. एम. लवाकुमार रेड्डी, प्रधान वैज्ञानिक (कीट

Former Professor & Head (Plant Pathology), GKVK, Bengaluru; Dr. R.M. Prasad, Former Associate Director of Extension, KAU, Thrissur; Dr. A.R. Sharma, Director Research, RLB Central Agricultural University, Jhansi; Prof. S.R. Maloo, Former Dean & Incharge, Faculty of Agricultural Science, Pacific College of Agriculture, Pacific University, Udaipur; Dr. R.K. Singh, ADG (CC&FFC), ICAR, New Delhi and Dr. Sujay Rakshit, Director, ICAR-IIMR, Ludhiana. The meeting started with the welcome of the Chairman and Members of RAC by the Director, ICAR-IIMR. Dr. K.S. Hooda, Member Secretary, RAC presented the Action Taken Report (ATR) in respect of recommendations of the last RAC meeting (2017). This was followed by presentation of the major accomplishments of the Institute during 2017-18. The committee appreciated the progress made during the last year. The Chairman, RAC emphasized on the development of hybrids and further research to be initiated for yield improvement of QPMs. He also endorsed that land races and exotic germplasm should be used in pre-breeding programs for their use in disease and insect pest management and comparison of conservation agriculture and traditional agriculture should be made on long term basis. The major recommendations of committee were: focused research on development of high density planting material, augmentation of heterotic grouping of maize germplasm with genomic data, strengthening of conservation agriculture-based research, identification of diversity among pathogen of TLB (*Setosphaeria turcica*), use of entomopathogens in the management of insect pests and strengthening of outreach programme of the institute. A presentation on, “Weather based forewarning system for diseases of maize” was made by Dr. Amrender Kumar, AKMU, IARI during the meeting. The Chairman, RAC launched the web based forecasting model for BSLB.

Institutional Biosafety Committee (IBSC) meeting

The Institutional Biosafety Committee (IBSC) meeting was held on 21st December, 2018 under the chairmanship of Dr. Sujay Rakshit. The other members of the committee were Dr. Tanushri Kaul (DBT Nominee), Dr. Amrita Srivastava (Medical Officer), Dr. Monika Dalal (External Member), Dr. Bhupender Kumar (Member), Dr. Alla Singh (Member) and Dr. Krishan Kumar (Member Secretary). The committee reviewed the biosafety aspects of ongoing projects involving GMO/LMO and found them to be satisfactory.

INSTITUTE OUTREACH PROGRAMMES

Advisories on FAW

A new pest named Fall Armyworm (FAW), *Spodoptera frugiperda* Smith, was reported from Shivamogga district of Karnataka on 18th May 2018. ICAR-NBAIR issued an alert on FAW on 30th July, 2018. Thereafter, Directorate of Plant Protection, Quarantine & Storage, Faridabad has issued advisory on the exotic pest on 6th August 2018. Dr. J.C. Sekhar, Principal Scientist & I/c Winter Nursery Centre, ICAR-IIMR Hyderabad



(A) एफएडब्ल्यू क्षतिग्रस्त मक्का, (B) प्लांट होर्ल में एफएडब्ल्यू लार्वा फीडिंग
 (A) FAW damaged maize, (B) FAW larva feeding in plant whorl

विज्ञान), एमआरसी, हैदराबाद और डॉ. पी. लक्ष्मी सौजन्या, वैज्ञानिक, डब्ल्यूएनसी, भा. म.अनु.सं., हैदराबाद, एआरएस, करीमनगर के वैज्ञानिक और कृषि विभाग के अधिकारियों ने 19 अगस्त 2018 को नरसिमहुलापल्ली गांव, चिगुरुमामिडी मंडल, करीमनगर जिले का दौरा किया और एफएडब्ल्यू आपतन पर मक्का किसानों से बातचीत की। डॉ. सुजय रक्षित ने करीमनगर जिले के किसानों के साथ भी बातचीत की। इस विनाशी कीट की उग्र स्थिति को ध्यान में रखते हुए, डॉ. सुजय रक्षित, डॉ. जे. सी. शेखर और डॉ. सुबी एस. बी. ने मक्का पर फाल आर्मीवार्म की स्थिति पर चर्चा करने तथा इस नाशीजीव से निपटने हेतु कार्यनीतियों पर चर्चा करने हेतु सचिव, डेयर और महानिदेशक भाकृअनुप की अध्यक्षता में कृषि भवन नई दिल्ली में दिनांक 20 अगस्त, 2018 को एफएडब्ल्यू पर आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में भाग लिया। डॉ. जे. सी. शेखर और डॉ. सुबी, एस. बी. ने “फाल आर्मीवार्म के प्रबंधन के लिए प्रमाणित आईपीएम प्रौद्योगियों को उपलब्ध कराकर भारत में फाल आर्मीवार्म (स्पोडोप्टेरा फ्रुगिपर्डा) का समाधान करने हेतु आपातकाल उपाय” पर भाकृअनुप-सीएबीआई सहयोगात्मक परियोजना पर चर्चा करने हेतु सीएबीआई इंडिया के साथ एक बैठक में पुनः प्रतिभागिता की, जो कृषि आयुक्त, भारत सरकार, और सहायक महानिदेशक (पादप संरक्षण) की अध्यक्षता में दिनांक 26 अक्टूबर, 2018 को कृषि भवन नई दिल्ली में हुई। इस विनाशी कीट की उत्पत्ति में तेजी और उसके द्वारा किए गए नुकसान की व्यापकता को ध्यान में रखते हुए बाद में अनेक बैठकें हुईं जिनमें विभिन्न उपाय सुझाए गए। एफएडब्ल्यू की स्थिति की समीक्षा करने तथा उसके फैलाव को नियंत्रित करने हेतु कार्यनीतियों पर विचार-विमर्श करने के लिए डॉ. सुजय रक्षित ने सचिव (कृषि और सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग) की अध्यक्षता में दिनांक 14 नवंबर, 2018 को कृषि भवन नई दिल्ली में एक बैठक में सहभागिता की। पश्चिम बंगाल में एफ.ए.डब्ल्यू के संबंध में उन्होंने कृषि निदेशक और पदेन सचिव कृषि, पश्चिम बंगाल की अध्यक्षता में दिनांक 16 नवंबर, 2018 को कोलकाता में एक और बैठक में सहभागिता की, जहां भविष्य में एफएडब्ल्यू को नियंत्रित करने के लिए कार्यनीतियां बनाए जाने पर चर्चा की गई। डॉ. जे. सी. शेखर ने पीजेटीएसएयू, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद द्वारा “तेलंगाना में फाल आर्मी वार्म की वर्तमान स्थिति और उसकी प्रबंधन कार्यनीतियां” पर दिनांक 27 नवंबर, 2018 को आयोजित प्रतिभा उन्नयन सत्र में भी सहभागिता की, जहां मक्का पर फाल आर्मी वार्म के प्रबंधन में भाकृअनुप, भा.म.अनु.सं. और एनबीआईआर द्वारा की गई पहलों के बारे में बताया।

participated in a meeting held in NBAIR, Bengaluru on 9th August under the chairmanship of Dr. N. Sathyanarayana, Joint Director (PP), IPM Division, DPPQ&S for assessment of FAW occurrence on maize in Karnataka and to suggest short term and long term measures to be initiated for the management of FAW on maize. Following this a high level team consisting of Dr. A. K. Singh, DDG (CS); Dr. P Chakraborty, ADG (PP) of ICAR, New Delhi; Dr. M. Jagadeeshwar, Director of Research; Dr. S.J. Raheman, Head Entomology, PJTSAU; Dr. J.C. Sekhar, WNC, IIMR, Hyderabad and M. Jagan Mohan Reddy, Coordinator, KVK visited maize fields in Gorita, Gummakonda & Ippalapally village of Thimajipeta and Vattem Village of Bijinepally, Nagarkurnool District on 18th August 2018 to ascertain the ground realities of the FAW. Dr. Sujay Rakshit, Director, IIMR; Dr. M. Lavakumar Reddy, PS (Entomology), MRC, Hyderabad; Dr. P. Lakshmi Soujanya, Scientist, WNC, IIMR, Hyderabad; Scientists from ARS, Karimnagar and Agricultural Department officials visited Narsimhulapally village, Chigurumamidi Mandal, Karimnagar district on 19th August 2018 and interacted with maize farmers on FAW incidence. Dr. Sujay Rakshit, also held interaction with farmers of Karimnagar district. Keeping in view the severity of the situation some urgent initiatives were taken by IIMR. Dr. Sujay Rakshit, Dr. J.C. Sekhar and Dr. Suby S.B. participated in the high level meeting on FAW conducted on 20th August, 2018 at Krishi Bhavan under the chairmanship of the Secretary DARE and DG ICAR to discuss the status of FAW on maize and strategies to counter the pest. Dr. J.C. Sekhar and Dr. Suby again participated in a meeting with CABI India to discuss on a ICAR-CABI collaborative project on “Emergency response

फाल आर्मी वार्म नाशीजीव के बारे में जागरूकता फैलाने और प्रशिक्षण देने के बारे में बिहार सरकार के सहयोग से बामेती, पटना में दिनांक 29 नवंबर, 2018 को एक कार्यशाला आयोजित की गई। डॉ. प्रेम कुमार, माननीय कृषि मंत्री, बिहार सरकार ने बैठक की अध्यक्षता की। निदेशक भा.म.अनु.सं. ने इस नाशीजीव की स्थिति और उसको नियंत्रण के उपायों के बारे में प्रस्तुतीकरण दिया।

मेरा गांव मेरा गौरव

भा.म.अनु.सं. के वैज्ञानिकों ने आंध्र प्रदेश में मेरा गांव मेरा गौरव कार्यक्रम के तहत गोद लिए गांवों का दौरा किया। किसानों को मक्का के उन्नत हाइब्रिडों, उत्पादन और संरक्षण प्रौद्योगिकियों की उपलब्धता के बारे में अवगत कराया गया। किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीजों, समय पर बुवाई, संरक्षण उपायों तथा फाल आर्मी वार्म प्रबंधन विधियों के कार्यान्वयन और नाशीजीव की निगरानी के बारे में भी जानकारी दी गई।

अग्रपंक्ति प्रदर्शन

भारत सरकार के राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अंतर्गत पूरे भारतवर्ष में 13 केंद्रों पर कुल 173.4 हैक्टे. क्षेत्रफल में अग्रपंक्ति प्रदर्शन आयोजित किए गए। इन प्रदर्शनों से 12 राज्यों, बिहार, जम्मू एवं कश्मीर, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, पंजाब, राजस्थान, तेलंगाना, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में 472 किसान लाभान्वित हुए। इन प्रदर्शनों में 11.1 किंटल प्रति हैक्टे. की अधिक औसत उपज प्राप्त की गई, जो किसानों की वर्तमान विधियों की तुलना में 31.9 प्रतिशत अधिक थी। औसत उपज में अंतर बिहार में 5.5 प्रतिशत से मणिपुर में 197.9 प्रतिशत तक था।



देहरादून (उत्तराखण्ड) में किसान विवेक संकर मक्का की उपज का प्रदर्शन करते हुए
Farmers showing produce of Vivek Hybrid Maize at Dehradun district of Uttarakhand



पंजाब में संकर मक्का (पीएमएच 1) को बढ़ावा देने के लिए फिल्ड दिवस का आयोजन
Field day on promoting maize hybrid (PMH 1) in Punjab

to address Fall Armyworm (*Spodoptera frugiperda*) in India through deployment of proven IPM technologies for its management” at Krishi Bhavan on 26th October, 2018 under the chairmanship of Agricultural Commissioner, GOI. Considering the speed of emergence and severity of loss, a number of subsequent meetings were held and many initiatives were taken. Dr. Sujay Rakshit participated in a meeting on FAW held on 14th November, 2018 at Krishi Bhavan under the chairmanship of the Secretary (DAC&FW) to review the status of FAW and to deliberate upon the strategies to curb its spread. He participated in another meeting held on 16th November, 2018 in connection with FAW in West Bengal under the chairmanship of Director Agriculture & Ex-officio Secretary Agricultural, West Bengal at Kolkota to draw strategies for controlling the FAW in future. Dr. J.C. Sekhar also participated in the Brain storming session conducted on “Present status of Fall Army Worm and its management strategies in Telangana” by PJTSAU, Rajendernagar, Hyderabad on 27th November 2018 whereby he briefed about the initiatives taken by ICAR-IIMR and NBAIR in the management of FAW on maize. A workshop on Fall Army Worm Awareness and Training was held in collaboration with Bihar Government on 29th November, 2018 at BAMETI, Patna. Dr. Prem Kumar, Hon’ble Minister of Agriculture, Government of Bihar presided the meeting. Director IIMR presented the status of the insect and its control measures.

Mera Gaon Mera Gaurav

Villages adopted under *Mera Gaon Mera Gaurav* programme in Andhra Pradesh were visited by IIMR scientists. The farmers were sensitized of the availability of improved hybrids, production and protection technologies of maize. The farmers were also advised of the quality seeds, timely sowing, protection measures and about monitoring and implementation of fall army worm management practises.

Front Line Demonstration

A total of 173.4 ha frontline demonstrations were conducted under National Food Security Mission of the Government of India at 13 centres across the country. These demonstrations benefitted 472 farmers in 12 states viz., Bihar, Jammu & Kashmir, Karnataka, Madhya Pradesh, Manipur, Meghalaya, Punjab, Rajasthan, Telangana, Tamil Nadu, Uttar Pradesh and Uttarakhand. A mean of 11.1 q/ha yield enhancement was obtained which was 31.9% higher over the farmer’s existing practices. The yield gaps were ranged from 5.5% at Bihar to 197.9% at Manipur.

मानव संसाधन विकास

अनुमोदित एचआरडी वार्षिक प्रशिक्षण योजना के तहत प्राप्त प्रशिक्षण (2018-19)

क्र. सं.	स्टाफ का नाम	पदनाम	प्राप्त प्रशिक्षण के कार्यक्रम का शीर्षक	स्थान	तारीखों के साथ अवधि
वैज्ञानिक					
1.	डॉ. भुपेन्द्र कुमार	वैज्ञानिक	फिनोमिक्स, द नेक्स्ट जनरेशन फिनोटाइपिंग (एनजीपी) फॉर ट्रेट डाइसेक्शन एंड क्रॉप इम्प्रूवमेंट	भाकृअनुप-भाकृअसं, नई दिल्ली	22-31 अक्टूबर, 2018
2.	डॉ. पी. लक्ष्मी सौजन्या	वैज्ञानिक	एंडोफाइट और पीजीपीआर के माध्यम से फील्ड फसलों के नाशीजीवों और रोगों के एकीकृत प्रबंधन में नवोन्मेषन	यूएसएस, धारवाड़	13 नवंबर- 3 दिसंबर, 2018
3.	डॉ. के. एस. हूड्डा	प्रधान वैज्ञानिक	कृषि अनुसंधान परियोजनाओं की प्राथमिकता अभिनिर्धारण, निगरानी और मूल्यांकन (पीएमई) पर एमडीपी	भाकृअनुप-नार्म हैदराबाद	17-22 दिसंबर, 2018
प्रशासनिक					
4	श्री अश्विनी कुमार	प्रशासनिक अधिकारी	भाकृअनुप के विषयपरक डीलिंग सहायकों / सहा. प्रशासनिक अधिकारियों/ प्रशा. अधिकारियों, कनिष्ठ लेखा अधिकारी, सहायक वित्त और लेखा अधिकारी एवं अनुभाग अधिकारियों के लिए स्थापना और वित्तीय मामलों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम	भाकृअनुप-सीसीएआरआई, गोवा	5-10 जुलाई, 2018
5	श्री प्रमोद शर्मा	सहा. वित्त एवं लेखा अधिकारी			
6	श्री प्रशांत गर्ग	सहायक	प्रशासन के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	भाकृअनुप-सीपीआरआई, शिमला	15-20 नवंबर, 2018

HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

Training Attended under approved HRD Annual Training Plan (2018-19)

S. No.	Name of the staff	Designation	Title of training program attended	Venue	Duration with dates
Scientific					
1.	Dr. Bhupendra Kumar	Scientist	Phenomics, the Next Generation Phenotyping (NGP) for Trait Dissection and Crop Improvement	ICAR-IARI, New Delhi	22-31 October, 2018
2.	Dr. P. Lakshmi Soujanya	Scientist	Innovation in Integrated Management of Insect - Pest and Diseases of Field Crops through Endophytes and PGPRs	UAS, Dharwad	13 November- 3 December, 2018
3.	Dr. K.S. Hooda	Principal Scientist	MDP on Priority Setting, Monitoring and Evaluation (PME) of Agricultural Research Projects	ICAR-NAARM, Hyderabad	17-22 December, 2018
Administrative					
4	Sh. Ashwani Kumar	Admin. Officer	Training Program on establishment and financial matters for Assistant/ AAO/ AOs/ JAO/ AF&AO/ F&AO and Section Officers of ICAR dealing with the subject	ICAR-CCARI, Goa	5-10 July, 2018
5	Sh. Permod Sharma	AF&AO			
6	Sh. Prashant Garg	Assistant	Refresher course for administration	ICAR-CPRI, Shimla	15-20 November, 2018

सम्मेलनों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, प्रतिभा उन्नयन सत्रों और बैठकों में सहभागिता

क्र.सं.	सहभागिता किए गए सम्मेलन, सेमिनार, कार्यशाला, बैठक का शीर्षक	स्थान	अवधि	वैज्ञानिक का नाम और पदनाम
1.	प्रोफेशनल अटैचमेंट ट्रेनिंग	यूनिट कार्यालय, भा.म.अनु.सं., नई दिल्ली	16 अप्रैल-17 जुलाई, 2018	दीप मोहन महला
2.	ओरियेंटेशन ट्रेनिंग	भा.म.अनु.सं., लुधियाना	20 अगस्त-16 सितंबर, 2018	दीप मोहन महला
3.	"उत्तर प्रदेश में किसानों की आय दुगुना करने के संदर्भ में खरीफ अनाजों और दलहनों की उत्पादकता को बढ़ाने के लिए कार्यनीतियां" पर प्रतिभा उन्नयन सत्र	लखनऊ	1 सितंबर, 2018	डॉ. ए. के. सिंह
4.	एआईसीआरपी चारा फसल और उपयोग-रबी 2018-19 की राष्ट्रीय समूह बैठक	सीसीएसएचएयू, हिसार	7-8 सितंबर, 2018	मुकेश चौधरी
5.	मक्का पर डीयूएस परीक्षण कार्यशाला	पीजेटीएसएयू, हैदराबाद	25-26 सितंबर, 2018	मुकेश चौधरी
6.	13 th एशियाई मक्का सम्मेलन	लुधियाना, भारत	8-10 अक्टूबर, 2018	सभी वैज्ञानिक
7.	"परिवर्ती परिदृश्य के तहत सस्यविज्ञान संबंधी कार्यकलापों के माध्यम से किसानों की आय दुगुना करना" पर संगोष्ठी	एमपीयू एवं टी, उदयपुर	25 अक्टूबर, 2018	डॉ. ए. के. सिंह
8.	"मृदा, जल और पादप पोषण अनुसंधान" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी और आईपीएनआई अनुसंधान कोआपरेटर्स सम्मेलन	नागपुर	2 नवंबर, 2018	डॉ. ए. के. सिंह
9.	"कृषि शिक्षा- वैश्विक अनुभवों का साझीकरण	एनएएससी परिसर, नई दिल्ली	23-25 नवंबर, 2018	डॉ. ईश्वर सिंह
10.	4 th अंतर्राष्ट्रीय पादप कार्यिकी विज्ञान सम्मेलन (IPP सम्मेलन-2018)	सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति विज्ञान अनुसंधान संस्थान, लखनऊ	2-5 दिसंबर, 2018	डॉ. ईश्वर सिंह
11.	स्वास्थ्य और रोगों में जैवरसायन विज्ञान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़	23-23 दिसंबर, 2018	डॉ. धर्म पाल

Participation in Conferences/Workshops/Symposium/Brain Storming meetings etc.

S. No.	Title of the Conference/Seminar/Workshop/ Meeting attended	Venue	Period	Name and Designation of the Scientist
1.	Professional attachment training (FOCARS 107)	Unit office, IIMR, New Delhi	16 April-17 July, 2018	Deep Mohan Mahala
2.	Orientation training	IIMR, Ludhiana	20 August-16 September, 2018	Deep Mohan Mahala
3.	Brain storming session on "Strategies for enhancing the productivity of Kharif cereals and pulses in the context of doubling farmer's income in U.P."	Lucknow	1 st September, 2018	Dr. A. K. Singh
4.	National Group Meeting (Rabi 2018-19) of AICRP Forage Crops & Utilization	CCSHAU, Hisar	07-08 September, 2018	Mukesh Choudhary
5.	DUS testing workshop on Maize	PJTSAU, Hyderabad	25-26 September, 2018	Mukesh Choudhary
6.	13 th Asian Maize Conference	Ludhiana, India	08-10 October, 2018	All scientists
7.	Symposium on "Doubling farmers' income through agronomic interventions under changing scenario"	MPUA&T, Udaipur	25 th October, 2018	Dr. A. K. Singh
8.	IPNI Research Co-operators' Meet and International Symposium on "Advancements in Soil, Water and Plant Nutrition Research	Nagpur	2 nd November, 2018	Dr. A. K. Singh
9.	International Conference on "Agricultural Education-Sharing Global Experiences"	NASC Complex, New Delhi, India	23-25 November, 2018	Dr. Ishwar Singh
10.	4 th International Plant Physiology Congress (IPPCongress-2018)	CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, India	02-05 December, 2018	Dr. Ishwar Singh
11.	National Symposium on Biochemistry in Health and Diseases	Panjab University, Chandigarh	22-23 December, 2018	Dr. Dharam Paul

पुरस्कार और सम्मान

- डॉ. सुजय राक्षित को सचिव, डेयर और महानिदेशक, भाकृअनुप द्वारा पीएचू के प्रबंधन मंडल के सदस्य के रूप में नामित किया।
- डॉ. ए. के. सिंह ने एमपीयूएटी, उदयपुर में दिनांक 24 अक्टूबर, 2018 को भारतीय सस्य विज्ञान सोसाइटी का आईएसए अध्येता पुरस्कार प्राप्त किया।
- डॉ. के. एस. हूड्डा को सह-लेखक के रूप में लुधियाना में दिनांक 08-10 अक्टूबर, 2018 में आयोजित "खाद्य, आहार और पर्यावरणीय सुरक्षा के लिए मक्का" पर 13वें एशियाई मक्का सम्मेलन के दौरान "आइडेंटिफिकेशन ऑफ जीनोमिक रीजन्स फॉर फ्युसेरियम स्टॉक रॉट रेसिस्टेंस इन ट्रॉपिकल मेज़ (ज़ी मेज़) यूजिंग जीनोमिक वाइड एसोसिएशन स्टडी" शोध पत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्रदान किया गया।
- डॉ. के. एस. हूड्डा को सह-लेखक के रूप में लुधियाना में दिनांक 08-10 अक्टूबर, 2018 में आयोजित "खाद्य, आहार और पर्यावरणीय सुरक्षा के लिए मक्का" पर 13वें एशियाई मक्का सम्मेलन के दौरान "आइडेंटिफिकेशन ऑफ स्टेबल सोर्सिस ऑफ रेसिस्टेंस अगेंस्ट टुरकिकुम लीफ ब्लाइट ऑफ मेज़ अंडर टेम्परेट कंडिशनस" शोध पत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्रदान किया गया।

भाकृअनुप.-भा.म.अनु.सं. में छात्रों का दौरा

जी. डी. गोयनका विश्वविद्यालय, गुरुग्राम के 152 बी. एस. (कृषि) प्रथम वर्ष छात्रों के एक बैच अपने शैक्षिक दौरे के भाग के रूप में दिनांक 26-27 नवंबर, 2018 के दौरान भाकृअनुप-भा.म.अनु.सं., नई दिल्ली केंद्र का दौरा किया। डॉ. चिक्कपा जी. कर्जगी ने मक्का उत्पादन के परिदृश्य का प्रस्तुतीकरण किया और नवीनतम प्रजनन तकनीकों के माध्यम से मक्का आधारित फसल प्रणाली में जलवायु अनुकूलनता की महत्ता को उजागर किया। डॉ. कृष्ण कुमार ने पादप आणविक जीवविज्ञान तकनीकों से छात्रों को अवगत कराया और थर्मोसाइकलर, आटोकलेव, एग्रो जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस एवं यूवी स्पेक्ट्रोफोटोमीटर के कार्य के सिद्धांत के बारे में बताया। छात्रों को टिशु कल्चर तकनीकों तथा मक्का में प्रयोग की जा रही जीन अंतरण विधियों से भी अवगत कराया। इसके अलावा, डॉ. कृष्ण कुमार ने नियंत्रित स्थितियों के तहत फसल उत्पादन के लिए

Awards and Honors

- Dr. Sujay Rakshit has been nominated as Member of Board of Management of PAU by the Secretary DARE and DG, ICAR.
- Dr. A.K. Singh received ISA Fellow award of Indian Society of Agronomy, at MPUAT, Udaipur on 24th October, 2018.
- Dr KS Hooda as co-author was awarded best poster award for research paper "Identification of genomic regions for fusarium stalk rot resistance in tropical maize (*Zea mays*) using genomic wide association study" during 13th Asian Maize Conference on "Maize for Food, Feed and Environmental Security" held at Ludhiana from 08-10 October, 2018.
- Dr KS Hooda as co-author was awarded best poster award for research paper "Identification of stable sources of resistance against turcicum leaf blight of maize under temperate conditions" during 13th Asian Maize Conference on "Maize for Food, Feed and Environmental Security" held at Ludhiana from 08-10 October, 2018.

Students Visit at ICAR-IIMR, Delhi Unit Office

A batch of 152 B.Sc. (Ag.) first year students from G. D. Goenka University, Gurugram visited ICAR-IIMR New Delhi Centre on 26-27 Nov, 2018 as part of their educational tour. Dr. Chikkappa G. Karjagi presented an overview of maize production and highlighted the importance of climate resilience in maize based cropping system through novel breeding techniques. Dr. Krishan Kumar introduced the students with plant molecular Biology techniques and explained principle of working of Thermocycler, Autoclave, Agro Gel Electrophoresis and UV Spectrophotometer. The students were also acquainted with



भामअनुसं में जी डी गोयनका विश्वविद्यालय के छात्र
Students of G. D. Goenka University at IIMR

ग्लास हाउस की संकल्पना के बारे में जानकारी दी। तंबाकू पादपों में शाकनाशी प्रतिरोध के प्रायोगिक परीक्षणों और फॉस्फेट न्यून हाइड्रोपोनिक कल्चर में वृद्धि के लिए मक्का की छंटनी के बारे में उन्हें जानकारी दी गई। शैक्षिक अभियान, जिसमें डॉ. कृष्ण कुमार और डॉ. चिक्कपा जी कर्जगी ने समन्वयन किया, संस्थान के आउटरीच कार्यक्रम का भाग था जिसका उद्देश्य छात्रों और विज्ञान के प्रति उत्सुक युवाओं के एक बड़े समुदाय को लक्ष्य बनाकर उनमें जागरूकता लाने और समान्य रूप से कृषि अनुसंधान के प्रति तथा विशेष रूप से मक्का के प्रति उनमें रुचि को जागृत करना था।

tissue culture techniques and gene transfer methods being used in maize. Further, Dr. Krishan Kumar briefed the concept of glass house for crop production under controlled conditions. The experimental trials of herbicide resistance in tobacco plants and screening of maize for growth in phosphate deficient hydroponic culture were explained. The educational excursion, coordinated by Dr. Krishan Kumar and Dr. Chikkappa G Karjagi, was part of the institute's outreach program targeting a broad community of students and science enthusiasts to raise awareness and to develop interest for agricultural research in general and maize in particular.

भाकृअनुप-भामअनुसं, लुधियाना में नवीन नियुक्तियां New Joining at ICAR-IIMR, Ludhiana



श्री दीप मोहन महला
(मृदा विज्ञान)
24 जुलाई, 2018



डा. सुमित अग्रवाल
(पादप रोग विज्ञान)
8 अक्टूबर, 2018



डा. भारत भूषण
(जैव रसायन विज्ञान)
एन.बी.पी.जी.आर, नई दिल्ली से स्थानांतरित
9 जुलाई, 2018



सुश्री शांति बंबोरिया
(सस्य विज्ञान)
8 अक्टूबर, 2018



श्री संतोष कुमार
(पादप प्रजनन एवं आनुवंशिकी विज्ञान)
9 अक्टूबर, 2018

Compiled & Edited by:

Dr. D.P. Chaudhary, Dr. Abhijit Das,
Dr. Bharat Bhushan, Dr. Alla Singh & Mr. D.M. Mahala
Lasertypeset & Printed by:
Printing Service Company
Model Town, Ludhiana.
Ph.: 0161-2410896, 9888021624



E-mail: pdmaize@gmail.com | Website: www.iimr.icar.gov.in

Published by:

Dr. Sujay Rakshit, Director,
ICAR- Indian Institute of Maize Research
(An ISO 9001:2008 certified institute)
PAU Campus, Ludhiana- 141004
Phone: 0161-2440048; Fax: 0161-2430038